

अध्याय - 6 | व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिकता

**QUIZ
PART-03**

- सामाजिक उत्तरदायित्व की यथार्थवादिता के अनुसार व्यवसायियों को किस पर ध्यान देना चाहिए?
 - केवल लाभ पर
 - केवल विज्ञापन पर
 - लाभ और सामाजिक उत्तरदायित्व दोनों पर
 - केवल लागत घटाने पर(C)

व्याख्या: व्यवसायियों को यथार्थवादी रूप से लाभ और सामाजिक उत्तरदायित्व दोनों पर ध्यान देना चाहिए।

- निजी उद्यमों को लोकतांत्रिक समाज में कौन-सी चुनौती स्वीकारनी पड़ती है?
 - अधिक लाभ कमाना
 - मानव अधिकारों और अच्छे व्यवहार की माँग
 - कम उत्पादन करना
 - केवल विज्ञापन बढ़ाना(B)

व्याख्या: सामग्री में उल्लेख है कि लोकतांत्रिक समाज में मानव अधिकार और अच्छे व्यवहार की माँग निजी उद्यमों को स्वीकारनी होती है।

- व्यवसाय के समाज के प्रति कर्तव्य में कौन-सा शामिल है?
 - केवल कीमतें बढ़ाना
 - समस्याओं का समाधान करना
 - विपणन खर्च बढ़ाना
 - विज्ञापनों की संख्या बढ़ाना(B)

व्याख्या: व्यवसाय का कर्तव्य सामाजिक समस्याओं के समाधान में योगदान देना बताया गया है।

- सामाजिक उत्तरदायित्व की ओर व्यवसायों को बाध्य करने वाला एक प्रमुख कारण क्या है?
 - उत्पादन की कमी
 - सार्वजनिक नियमों की आरंका
 - मजदूरी में कमी
 - निर्यात का बढ़ना(B)

व्याख्या: सार्वजनिक विनियमों की आशंका व्यवसायों को सामाजिक उत्तरदायित्व की ओर ले जाती है।

- श्रम आंदोलनों का व्यवसायों पर क्या प्रभाव पड़ता है?
 - व्यवसाय का विस्तार
 - उद्योगपतियों को सावधानी से कार्य करना पड़ता है
 - उत्पादन कम हो जाता है
 - कर कम लगते हैं(B)

व्याख्या: संगठित और शिक्षित श्रमिकों के दबाव के कारण उद्योगपतियों को सावधानीपूर्वक कार्य करना पड़ता है।

- उपमोक्ता जागरण का प्रभाव व्यवसायों पर क्या होता है?
 - उपमोक्ता कम जागरूक होते हैं
 - व्यवसायों को ग्राहक-अनुकूल नीतियाँ अपनानी पड़ती हैं
 - कीमतें स्वतः कम हो जाती हैं
 - उत्पादन रुक जाता है(B)

व्याख्या: उपमोक्ताओं के अधिक जागरूक होने से व्यवसायों को ग्राहक-उन्मुख नीतियाँ अपनानी पड़ती हैं।

- सामाजिक मानकों का विकास व्यवसाय को किस ओर प्रेरित करता है?
 - केवल लाभ कमाने की ओर
 - सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति की ओर
 - केवल निर्यात बढ़ाने की ओर
 - उत्पादन रोकने की ओर(B)

व्याख्या: सामाजिक मानकों का विकास व्यवसाय को सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रेरित करता है।

- व्यवसायिक शिक्षा के विकास का प्रमुख प्रभाव क्या है?
 - समाज के लोग उदासीन हो जाते हैं
 - लोग अपने हितों को बेहतर समझने लगते हैं
 - बेरोजगारी बढ़ जाती है
 - व्यवसाय बंद हो जाते हैं(B)

व्याख्या: शिक्षा के प्रसार से सभी वर्ग अपने हितों को बेहतर समझने लगते हैं।

- पेशेवर एवं प्रबंधकीय वर्ग का विकास व्यवसायों को किस ओर प्रेरित करता है?
 - केवल लाभ कमाने की ओर
 - सामाजिक उत्तरदायित्व को महत्व देने की ओर
 - विज्ञापन लागत बढ़ाने की ओर
 - श्रमिकों की उपेक्षा करने की ओर(B)

व्याख्या: पेशेवर प्रबंधक समाजहित से जुड़े मुद्दों को महत्व देते हैं और सामाजिक उत्तरदायित्व का समर्थन करते हैं।

- आर्थिक उत्तरदायित्व का मुख्य उद्देश्य क्या है?
 - मनोरंजन प्रदान करना
 - आवश्यक वस्तुएँ और सेवाएँ उपलब्ध कराना और लाभ कमाना
 - केवल दान देना
 - कर्मचारियों की संख्या कम करना(B)

व्याख्या: आर्थिक उत्तरदायित्व के तहत व्यवसाय वस्तुएँ/सेवाएँ उपलब्ध कराते हुए लाभ भी कमाते